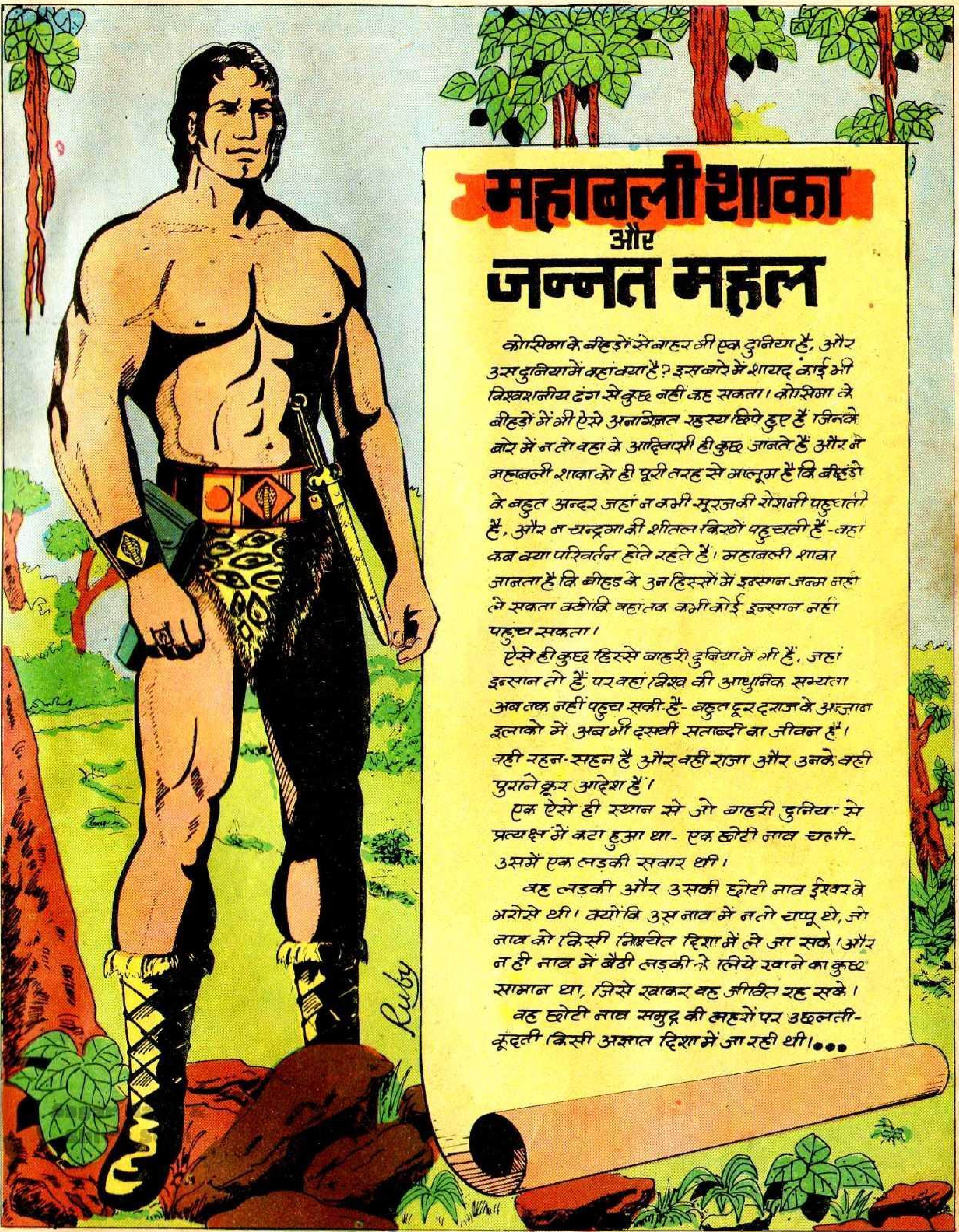
महाबली शाका
और
जन्नत महल
कोसिमा के बीहड़ों से बाहर भी एक दुनिया है, और उस दुनिया में वहां क्या है? इस बारे में शायद कोई भी विश्वसनीय ढंग से कुछ नहीं कह सकता। कोसिमा के बीहड़ों में भी ऐसे अनगिनत रहस्य छिपे हुए हैं जिनके बारे में न तो वहां के आदिवासी ही कुछ जानते हैं और न महाबली शाका को ही पूरी तरह से मालूम है कि बीहड़ों के बहुत अन्दर जहां न कभी सूरज की रोशनी पहुचती है, और न चन्द्रमा की शीतल किरणें पहुचती हैं - वहा कब क्या परिवर्तन होते रहते हैं। महाबली शाका जानता है कि बीहड़ के उन हिस्सों में इन्सान जन्म नहीं ले सकता क्योंकि वहा तक कभी कोई इन्सान नहीं पहुच सकता।
ऐसे ही कुछ हिस्से बाहरी दुनिया में भी हैं, जहां इन्सान तो हैं पर वहां विश्व की आधुनिक सभ्यता अब तक नहीं पहुच सकी है - बहुत दूर दराज के अनजान इलाको में अब भी दसवीं सताब्दी का जीवन है। वही रहन-सहन है और वही राजा और उनके वही पुराने क्रूर आदेश हैं।
एक ऐसे ही स्थान से जो बाहरी दुनिया से प्रत्यक्ष में कटा हुआ था - एक छोटी नाव चली - उसमें एक लड़की सवार थी।
वह लड़की और उसकी छोटी नाव ईश्वर के भरोसे थी। क्योंकि उस नाव में न तो चप्पू थे, जो नाव को किसी निश्चित दिशा में ले जा सके। और न ही नाव में बैठी लड़की के लिये खाने का कुछ सामान था, जिसे खाकर वह जीवित रह सके।
वह छोटी नाव समुद्र की लहरों पर उछलती-कूदती किसी अज्ञात दिशा में जा रही थी।...
Ruby

लड़की लाचारी से अपने और अपनी नाव के जीवन का अन्त होने की प्रतीक्षा कर रही थी, जो किसी भी पल हो सकता था. कोई भी लहर नाव को उलट सकती थी।
चार दिन बाद भूख-प्यास से बेहाल होकर लड़की बेहोश हो गयी।
अगले तीन दिन बाद वह नाव बहती हुई कोसिमा के तट से गुजरी तो मटागू जाति के मछेरों ने उसे देख लिया-
अरे देखो एक छोटी सी नाव.
कोई सवारी भी नहीं है!
उसमें चप्पू भी नहीं है!
चलो उसे पकड़ लो!
Rusy
एक नाव उस छोटी नाव की ओर बढ़ चली-
अरे, इसमें तो एक लड़की है!?
सफेद लड़की-
पता नहीं कौन है?

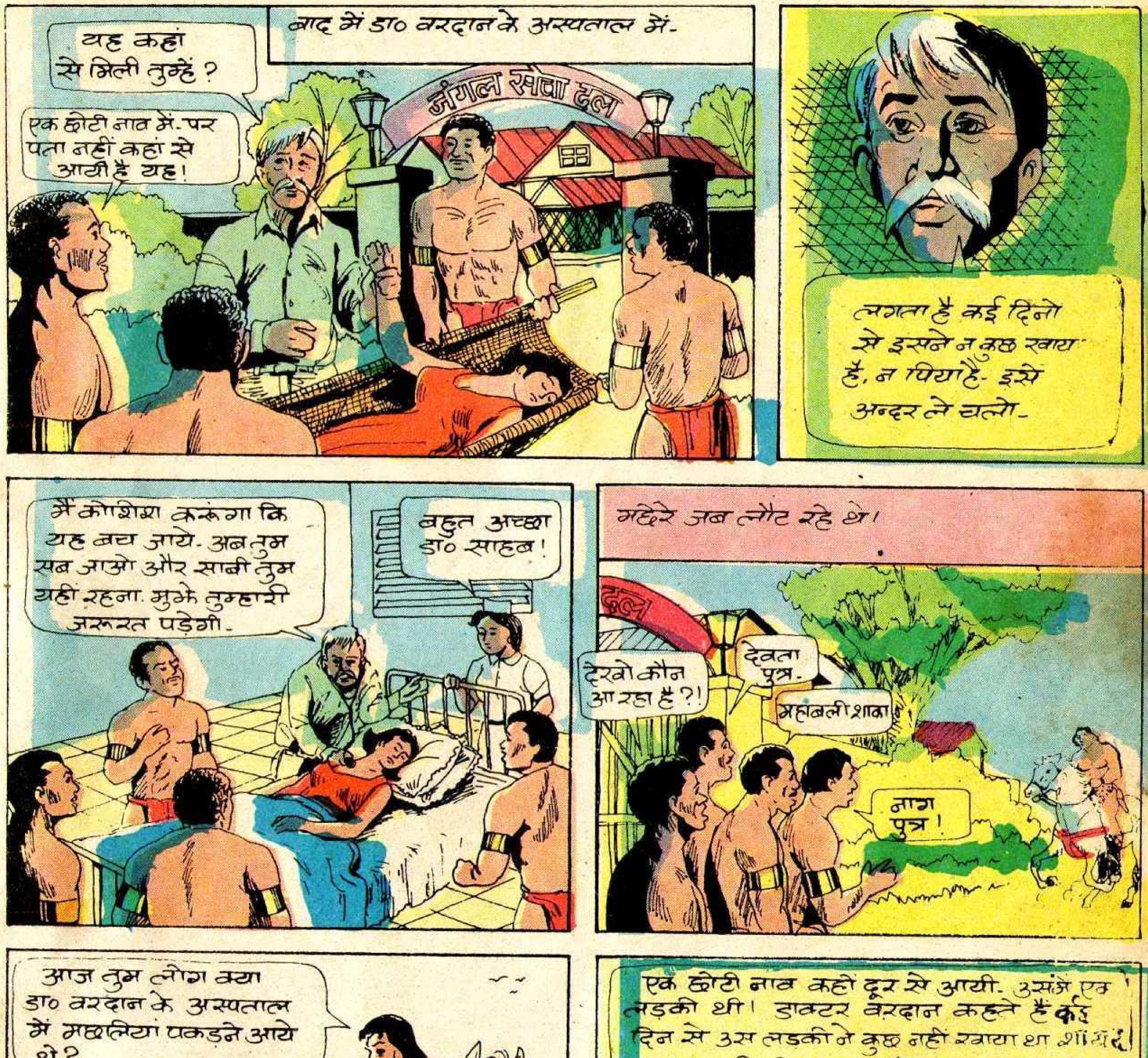
बाद में डा० वरदान के अस्पताल में-
यह कहां से मिली तुम्हें ?
एक छोटी नाव में-पर पता नहीं कहां से आयी है यह!
जंगल सेवा दल
लगता है कई दिनों से इसने न कुछ खाया है, न पिया है- इसे अन्दर ले चलो-
मैं कोशिश करूंगा कि यह बच जाये- अब तुम सब जाओ और साधी तुम यहीं रहना. मुझे तुम्हारी जरूरत पड़ेगी-
बहुत अच्छा डा० साहब!
मछेरे जब लौट रहे थे।
देखो कौन आ रहा है?!
देवता पुत्र-
महाबली शाका
नाग पुत्र!
आज तुम लोग क्या डा० वरदान के अस्पताल में मछलियां पकड़ने आये थे?
अ... नहीं... नाग पुत्र!
वह मजाक भी कर लेता है!
एक छोटी नाव कहीं दूर से आयी- उसमें एक लड़की थी। डाक्टर वरदान कहते हैं कई दिन से उस लड़की ने कुछ नहीं खाया था शायद वह मर जायेगी...पर नाग देवता... शायद उसे बचा लें।

उस लड़की को यहां पहुंचा कर तुमने एक नेक काम किया है।
वह खुश है।
हमने एक नेक काम किया है।
अरे! शाका?... क्या यह देखने आये हो कि तुम्हारा यह बूढ़ा डा० मर तो नहीं गया?
नहीं डा० वरदान! आपकी उम्र एक हजार वर्ष है।
तुम शायद एक यही झूठ बोलते हो कि मैं एक हजार वर्ष तक जिन्दा रहूंगा - अच्छा यह बताओ कैसे आ गये!
यह पूछने कि कल मैं शहर जा रहा हूं. आपको कुछ मंगाना तो नहीं है?
हां, मैंने सामान की लिस्ट बना रखी है... साबी वह लिस्ट ले आओ।
अभी लाई डा० साहब।
और यह कौन है डाक्टर वरदान?
जब तक इसे होश नहीं आता. तब तक तो मैं यहीं बता सकता हूं कि यह एक लड़की है।
ऐसा लगता है, जिसे नाव में यह मछेरों को मिली है, उसमें यह पांच छः दिन पहले सवार हुई थी- और तब से अब तक इसने न कुछ खाया है न पिया है।

अभी क्या कहा जा सकता है, बस अब उपचार शुरू कर रहा हूं।
कब तक आयेगा इसे होश?
महाबली यह है सामान की लिस्ट।
बहुत अच्छा।
अगले दिन शहर में- सफर के दौरान।
हुम्म... यह तस्वीर! श... शायद उसी की है।
करोड़पति की बेटी अब तक लापता
पन्द्रह दिन. पहले, दिन दहाड़े हुकमत राय की बेटी का अपहरण हुआ- उसका नाम रिचा राय है, तो वह लड़की जो डा० बरदान के अस्पताल में है वह यही है.
किसी प्रकार वह अपहरण-कर्ताओं के चंगुल से छूट कर छोटी नाव में सवार हो गयी. समुद्र की लहरें उस नाव को बहाकर कोसिमा के तट पर ले आयी...

शाका को शहर में अभी कई काम थे- लेकिन उन सब कामों को छोड़ कर शाका वापस लौट आया-
लड़की कैसी है डाक्टर बरदान ?
वह अब ठीक है, पर बड़ी अजीब-अजीब बातें कर रही है, शायद किसी भारी सदमें से उसका दिमाग चल गया है।
आप ठीक कहते हैं, उसे भारी सदमा पहुंचा है- मैं उससे बात करूंगा।
!?
मुझे छोड़ दो... मुझे जाने दो... मुझे तुम सबसे नफरत है... तुम जल्लाद हो- वहशी दरिन्दें हो तुम !
पर तुम अभी नहीं जाओगी!
शान्त रहो रिचा... अब तुम उन लोगों के बीच नहीं हो. जो तुम्हें उठा ले गये थे।
रिचा!?...कैसे पता लगा लिया इसका नाम?
इसके लिये सब कुछ सम्भव है, कुछ भी छिपा नहीं रह सकता इससे?!
???

मैं जानता हूं तुम हुकमत राय की बेटी हो. पन्द्रह दिन पहले कुछ बदमाशों ने तुम्हारा अपहरण किया तुम हमें एक छोटी नाव में मिली हो.
?!
अ... हां... हां... याद आया...
म... मैं भाग निकली थी वहां से पता नहीं कौन सी जगह थी वह... वहां का मालिक बड़ा क्रूर था. मैंने उसकी क्रूरता अपनी आंखों से देखी है।
वहां अब भी गुलाम बिकते हैं।
जो लड़की मालिक का आदेश नहीं मानती उसे शेर के पिंजरे में डाल दिया जाता है।
हत्यारे! खूनियों... मेरे पिता का नाम सेठ हुकमत राय है, वह तुम्हें फांसी पर चढ़वा देंगे. तुम्हारे सारे काम गैरकानूनी और अमाननीय हैं।
अमाननीय- हा, हा, हा,
Ruby

पर है...! क्या कहा तुमने ? तुम्हारा बाप हुकमत राय है...! बहुत खूब! अब हुकमत राय की लगान मेरे हाथ में है, अब उसके जहाज मेरे टापू से माल ढोयेंगे, और बाहर का माल यहां पहुचायेंगे...
...सिपाहियो इसे ले जाओ. देखो इसे तकलीफ न देना. यह मेरे लिये सोने की खान से कम नहीं है।
तुम... ब्लैक मेल करोगे मेरे पिता को...
"उस जल्लाद के सिपाही मुझे किसी अज्ञात स्थान की ओर ले गये... मुझे एक घोड़े पर बांधा हुआ था. और वह रास्ता जंगल में से...
गुजरता था"- अचानक सामने एक शेर आ गया घोड़े बेकाबू हो गये-"
"मैं जिस घोड़े पर सवार थी वह बिदक गया... वह घोड़ा मुझे समुद्र के किनारे ले आया...!"
वहां किनारे पर एक नाव देखकर मैं घोड़े से उतर गयी उस नाव में चप्पू नहीं थे लेकिन चप्पुओं की मुझे जरूरत भी नहीं थी- क्योंकि मैं नहीं जानती थी कि मुझे किस ओर जाना है मेरे लिये सारी दिशायें एक समान थीं। मैं सिर्फ उस किले से दूर भाग जाना चाहती थी, जिसमें इन्सानी खाल में छिपे दरिन्दों का निवास था।

Sagar Rana
Shiv's Scan

मैं उस महल में यह देखने जा रहा हूं कि वहां जिसके हुक्म पर गुलामों की बिक्री होती है, खुद उसकी अपनी कीमत क्या है?
वहां मुद्रा के रूप में डालर का प्रचलन था, लेकिन भुगतान किसी भी देश की मुद्रा में किया जा सकता था।
सीमा शुल्क 100 डालर
परिचय पत्र की जांच करायें
आपका परिचय पत्र?
परिचय पत्र की जांच करायें
नया बना दो
नया परिचय पत्र ऐसे नहीं बनता... उसके लिये दो ऐसे गवाह लाओ जिनका परिचय पत्र बना हुआ हो।
तब तो मजबूरी है।
यह मेरा परिचय पत्र है, इसके लिये किसी गवाह की जरूरत नहीं पड़ेगी- आइने में शक्ल देख कर खुद ही जांच कर लेना।
ढिशूं
आह!

पास पड़े सिपाहियों ने अपनी स्टेनगनें अभी सम्भाली भी नहीं थी कि...
टाक
ढिशूं
कुछ देर बाद-
अ... कहां गया वह?
गायब जिन्न था
घूसा था... या हथौड़ा...
अरे! तुम्हारे चेहरे पर यह निशान?
तुम्हारे चेहरे पर भी है!
हम तीनों के चेहरे पर है!
उफ! नहीं... वह यहां आ गया...? नाग पुत्र महाबली शाका! बुराई का दुश्मन... बुराई करने वालों की मौत... वह किसी को नहीं बख्शेगा।
मूर्ख! किसकी बात कर रहे हो तुम?
?!
उसी की- जिसका निशान हम तीनों के चेहरों पर छप गया है!... लोक कथाओं में उसका ज़िक्र है। वह नाग देवता का बेटा है। वह किसी से पराजित नहीं होता।
वह पागल हो गया!... तुम फोन पर किलेदार को बता दो- एक अजनबी महल में घुस आया है।
बहुत अच्छा
?!

सीमा चौकी से खबर आयी है एक लम्बा तगड़ा आदमी महल में घुस आया है उसे खोजो और खत्म कर दो।
बहुत अच्छा जनाब!
सीमा चौकी के रक्षक ने फोन पर यह भी तो बताया है कि वह घूंसा मारता है तो नाग का चिन्ह छप जाता है।
नाग चिन्ह! सुना तो है!?... खैर होगा कुछ... महल के सिपाहियों की स्टेनगनों के आगे उसके घूंसे नहीं चल पायेंगे।
एक लम्बे तगडे आदमी को खोजना है।
कम से कम कितना लम्बा और कितना तगड़ा होना चाहिये।
मजाक मत करो मामला गम्भीर लगता है।
अरे खिड़की खुली हुई है, और यह लम्बे पड़े हैं।
मामला सचमुच गम्भीर लगता है।
यह कैसा निशान है?
म...मैं पहचानता हूं... शायद य...य... यह बहुत बुरा निशान है।

उनमें से एक वापस किलेदार के पास आया.
जनाब. राजमहल के द्वार के दोनों रक्षक बेहोश हैं, खिड़की खुली हुई है बेहोश रक्षकों के जबड़ों पर नाग चिन्ह छपा हुआ है!
नाग चिन्ह!
तुम जाओ - और महल में जितने भी गनमैंन हैं सबको सावधान कर दो!
जो हुक्म!
गनमैंन दरवाजे की ओर बढ़ा...
और जैसे ही दरवाजे पर पहुंचा...
ढिशूं
?!
हाए!...क...क्या... हुआ?...क...क... कौन?
आह!
मैं हूं आपका सेवक!
किलेदार ने फुर्ती से अपने रिवाल्वर की ओर हाथ बढ़ाया...
कोहड वासी कहते हैं... महाबली शाका आसमानी बिजली की तरह झपटता है,
हु...म...म...म.... क कौन हो तुम?... हथौड़ा मारा था क्या?
कोई नया सवाल करो- यह सब पुराने हो चुके-

मुझे राजभवन के द्वार पर तैनात गनमैनों ने बताया था कि राजभवन में गुप्त रास्ते और गुप्त तहखानें हैं जिनका राज तुम जानते हो. चाबियां भी हैं तुम्हारे पास.
ग... ग... गलत बताया है उन्होंने!
अब?!
स... स... सही बताया है!
शाबाश! मुझे सारे गुप्त रास्ते और तहखानों के बारे में बता दो- चाबियों का गुच्छा भी दे दो!
कुछ देर बाद...
मैं जल्दी ही वापस लौटूंगा किलेदार साहब!
महाबली शाका के चले जाने के बाद...
अरे! मैं यह देखने आया था कि सर्फाक किलेदार का आदेश लेकर क्यों नहीं लौटा...यहां तो दरवाजा ही बन्द मिला.
डरते-डरते उसने दरवाजा खोला.
अईन!!! इन्हें तो फर्श पर सीधे खड़े होना चाहिये था. उल्टे कैसे हो गये?

मूर्ख! देख क्या रहा है... नीचे उतार मुझे!
अ... अच्छा जनाब!
और फिर...
वह बदमाश कहां होगा अब मुझे पता है।
सावधान रहना... वह अब आगे मिलेगा!
हम उसे भून देंगे!
हां कोशिश तो करनी ही चाहिये तुम्हें... पर...
मैं तुम्हें ऐसा अवसर दूंगा तब न?
लीजिये किलेदार... साहब वह दरवाजा खोलिये!
अब मैं तसल्ली से काम कर सकूंगा!

...शका के पास राजभवन की गुप्त सुरंगों के दरवाजों और उन तहखानों की चाबियां थी जहां दूर-दराज के इलाकों से पकड़ के लाये गये औरतों और मर्दों को वहा कैद किया हुआ था, जिन्हें बाज़ार में बिक्री के लिये भेजा जाता था।
हैं! यह कौन है?
यह तो कोई जंगली है।
नहीं लुटेरा है, देखो... चाकू और रिवाल्वर है उसके पास!
Ruby
दरवाजा खुला है, और अब तुम आजाद हो!
!?
!?
आजाद! मतलब... अब हमें इस कैद खाने से आजादी मिल रही है, ताकि बाज़ार में हमारी बोली लगाई जा सके?
नहीं, तुम सब आजाद हो.. लेकिन तुम अभी मेरे साथ रहो... मैं बाकी तहखाने के कैदियों को भी आजाद कर दूं ताकि तुम सब मिल कर इस किले के क्रूर रक्षकों का मुकाबला कर सको।
तुम कौन हो?
तुम्हारा पहनावा ऐसा क्यों है?
तुम हमारी मदद क्यों करना चाहते हो?
मैं तुम्हारा और उन सबका मददगार हूं जो जुल्म और अन्याय की चक्की में पिस रहा हो. अब देर मत करो और मेरे साथ चलो. अभी बहुत काम बाकी है।

और फिर वह सुरंगे जहां आज से पहले सदा भय और आतंक का साम्राज्य था, जहां कैदी फुसफुसाते हुए भी डरते थे. अब वहां भयंकर शोर था- तहखाने में बन्द गम-गीन चेहरे सुरंगो में फैल कर खुशी से चीखने-चिल्लाने लगे थे- उन्हें विश्वास हो गया था कि उनका रहस्यमय मददगार उन्हें मुक्ति दिला देगा।
राजा को तालाब में फेंक देंगे!
महल की ईंट से ईंट बजा देंगे।
हम आजाद हैं।
एक तहखाने में चालीस औरतें मिलीं-
अनोखा मददगार जिसे कोई लालच नहीं।
वहां एक फांसी घर भी था- विद्रोही कैदियों को सब कैदियों के सामने फांसी पर चढ़ाया जाता था- ताकि बाकी कैदियों को अक्ल आ जाये-
यहां अनगिनत बेकसूरों को फांसी दी गई होगी।
एक तालाब भी था जिसमें खौफनाक मगरमच्छ भरे रहते थे- और पिंजरा भी था जिसमें एक भूखा शेर बन्द था।
वो शेर, और ये तालाब के मगरमच्छ अब तक न जाने कितने इन्सानों को चट कर चुके होंगे।

फिर उसने सब कैदियों को एक सुरंग में इकट्ठा किया और कहा-
?!
असम्भव... यह अकेला कैसे पराजित कर देगा महल के रक्षकों को ?
अभी तुम सब इस सुरंग में रहोगे. बाहर सशस्त्र पहरेदार हैं, मैं नहीं चाहता कि तुम्हारा उससे टकराव हो और तुम्हें नुकसान पहुंचे. यहां से मैं अकेला बाहर जाऊंगा... और सबकुछ ठीक करके सुरंग का दरवाजा खोलूंगा.
इधर महल की रंगशाला में...
तो बोली शुरू की जाये !
राजा साहब मुझे यह नर्तकी पसन्द है बोलो क्या लोगे इसका ?
सब्र करो शेख... यहां और भी मेहमान हैं, जिन्हें यह पसन्द है, जो सबसे ऊंची बोली लगायेगा माल उसी का होगा !
तो यह है जन्नत महल का क्रूर शासक जो इन अबलाओं की कीमत लगवा रहा है, लेकिन खुद इसकी कीमत क्या होगा ? यह मैं इसी से पूछूंगा !
दस हजार!
बीस हजार!
पच्चीस हजार!
तीस हजार!
चालीस हजार!

कुछ ही देर बाद अचानक रंगशाला की बत्ती गुल हो गयी।
क्या हुआ?
बत्ती कैसे चली गयी?
अरे हरामखोरों... देखो क्या हुआ?
तभी... राजा के जबड़े पर एक जोरदार घूसा पड़ा...
आsssह... अरे! बचाओ!
ढिशं
?!!
कोई आया था?
मेरे पैसे ले गया!
मेरे पास तो एक फूटी कौड़ी भी नहीं बची?!
?!!
और राजा साहब आपके चेहरे पर यह निशान कैसा?
निशान!?
यह तो जादुई चिन्ह है

आश्चर्य की बात यह थी कि इतना हंगामा होने के बाद भी रंग शाला के बाहर तैनात सिपाही अन्दर नहीं आये थे- राजा साहब गरजते बरसते हुए हाथ में रिवाल्वर थामें खुद ही बाहर आये- देखा कि जो आफत खुद उस पर आयी थी वह आफत सिपाहियों पर पहले ही आ चुकी थी।
हाएँ!!! सब के सब गाफिल पड़े हैं... अ... और... चेहरे पर वैसा ही नागचिन्ह!
वह आगे गया-
तूफान यहां भी आ चुका... कौन है यह?
तभी एक गुलाम दौड़ता हुआ आया...
मालिक! महाबली शाका आ गया. यह नाग चिन्ह उसी की पहचान है!
क्या बकवास है?... क... कौन है वह? मुझे दिखाओ कहां है?
वह नजर नहीं आता- वह भूत की तरह अदृष्य हो जाता है- दुखियों का साथी है... मुसीबत में फसे लोगों का मददगार है। अच्छाई का दोस्त है और बुराई का दुश्मन... और वह अब 'जन्नत महल' में खेले जा रहे खूनी खेल को खत्म कर देगा- बुराई का नाश कर देगा- हत्यारों को खत्म कर देगा।
उससे पहले मैं तुझे खत्म कर देता हूं... तू पागल हो गया है, म... मुझे डरांना चाहता है। मैं 'जन्नत महल' का राजा हूं! ऊंह! कुछ नहीं है वह... सब तेरी बकवास है, ले अब मर-
न... नहीं ऽऽ

तभी एक शक्तिशाली हाथ ने राजा का रिवाल्वर वाला हाथ ऊपर उठा दिया-
धाँय
राजा के हाथ से रिवाल्वर छीन लिया गया... तब राजा ने देखा कि वह कौन है।
क...कौन हो तुम? क्या चाहिये तुम्हें?
तुम्हारी जिन्दगी चाहिये।
गुस्से में राजा ने शाका पर हमला किया।
फिर तो जैसे आफत टूट पड़ी उस पर-
दिशू
धाड़
धड़ाक
ढाक
और अब...
तुम सारे बेहोश सिपाहियों की बन्दूकें इकट्ठी करलो- और रंगशाला के सारे दरवाजे बाहर से बन्द करदो-
ऐसा ही होगा देवता पुत्र!
!?

और एक नियन्त्रण कक्ष में- राजा, भारत के ग्रह मन्त्रालय को सूचना दे रहा था।
मैं जन्नत महल का राजा घोषित करता हूं कि जन्नत महल अब भारत के साम्राज्य का ही एक अंग होगा- कृपया सैन्य मदद भेजी जाये, ताकि यहां के बिगड़े हालातों पर काबू पाया जा सके!
शाबाश!
अब बताओ कैसी मौत पसन्द है तुम्हें फांसी, खूनी तालाब या शेर का पिंजरा!
तुमने जो कुछ मांगा वह मैंने तुम्हें दे दिया. अब तो मुझे माफ करो!
लेकिन शाका के कठोर नियम थे. अपराधी को सजा मिलनी ही थी. उस चौरहे पर जहां गुलाम बिकते थे राजा को खड़ा किया गया और पांच कैदियों ने निशाना लगाया.
धांय
धांय
धांय
धांय
धांय
आऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽ
और जब जन्नत महल की धरती पर मौजूद सभी गुनाहगारों को गिरफ्तार कर लिया गया- तब शाका ने सेना के साथ आये जनरल को राज-भवन की सुरंगों और तहखानों से परिचित करवाया।
अन्त में...
सब गुनाहगारों को सजा मिलेगी. महाबली- और यहां की जनता के अनुरोध पर इस द्वीप का नाम 'नागपुत्र' घोषित किया जायेगा, यहां की जनता आपको भगवान मानती है।
देवतापुत्र जिन्दाबाद!

Presented by @sdch_club

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkD8puJ1QKrw